(ग) ''दाने आए घर के अंदर कई दिनों के बाद
धुआं उठा आंगन से ऊपर कई दिनों के बाद
चमक उठी घर भर की आंखे कई दिनों के बाद
कौए ने खुजलाई पांखें कई दिनों के बाद।''

खण्ड 'स' 2 X 12 = 24

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न(शब्द सीमा 400-450 शब्द)

भाग–दो

किन्हीं दो दीर्घउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिये–

1. 'आधुनिक साहित्य' में मानवीय व्यक्तित्व और उसकी सर्वनाज्मकता की सबसे गहरी और सार्थक चिंतता अज्ञेय के कृतित्व में मिलती है।' स्पष्ट कीजिए।
2. 'नई कविता आंदोलन से जुड़े कवि मुक्तिबोध ने अपने युग का इतिहास रचा फिर भी वे जटिल, दुरूह और समझ न आने वाले कवि कहलाए–' स्पष्ट कीजिए।
3. 'हिन्दी कविता की सार्थक परंपरा में नागार्जुन एक अविस्मरणीय हस्ताक्षर है।' इस पंक्ति के आलोक में नागार्जुन के समग्र साहित्य पर प्रकाश डालिए।
4. प्रगतिवाद की प्रमुख प्रवृत्तियों को रेखांकित कीजिए।

————————

Roll No……..……

HIN. 203/21

II SEMESTER EXAMINATION, 2021

M.A. (HINDI)

PAPER – III

आधुनिक हिन्दी काव्य

TIME – 3 HOURS **MAX MARKS – 80**

MIN MARKS – 16

नोटः प्रश्नपत्र में तीन खण्ड*अ, ब, स,* हैं । सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
खण्ड अ – सभी **बहुवैकल्पिक** प्रश्न हल करें ।
खण्ड ब – प्रत्ये क इकाई से प्रश्न हल करें ।
खण्ड स - प्रत्ये क इकाई से प्रश्न हल करें ।

खण्ड 'अ' 2 X 8 = 16

बहुवैकल्पिक प्रश्न

1. 'तार–सप्तक' में कुल कितने कवि थे –
(अ) 4 (ब) 6 (स) 5 (द) 7

2. 'प्रगतिवाद' के प्रवर्तक कवि कौन हैं –
(अ) निराला (ब) नागार्जुन
(स) अज्ञेय (द) धूमिल

3. 'चांद का मुंह टेढ़ा' के कवि कौन हैं –
(अ) सुमित्रानंदन पंत (ब) मुक्तिबोध
(स) अज्ञेय (द) निराला

4. 'अकाल और उसके बाद' कविता किसकी है–
   (अ) नागार्जुन (ब) मुक्तिबोध
   (स) अज्ञेय (द) धूमिल
5. 'वैद्यनाथ मिश्र' किस कवि का मूल नाम है –
   (अ) निराला (ब) अज्ञेय
   (स) मुक्तिबोध (द) नागार्जुन
6. दुरूह कवि किसे माना जाता है–
   (अ) मुक्तिबोध (ब) निराला
   (स) महादेवी वर्मा (द) धूमिल
7. 'संसद से सड़क तक' किसकी रचना है –
   (अ) धूमिल (ब) त्रिलोचन
   (स) रघुवीर सहाय (द) भवानी प्रसाद मिश्र
8. अज्ञेय की किस रचना का नाम गद्य एवं पद्य दोनों में मिलता है–
   (अ) आंगन के पार द्वार (ब) कितनी नावों मे कितनी बार
   (स) बावरा अहेरी (द) नदी के द्वीप

खण्ड 'ब' 4 X 6 = 24

लघु उत्तरीय प्रश्न(शब्द सीमा 200-250 शब्द)

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिये–

1. 'कविता की रचना प्रक्रिया में फैण्टेसी की भूमिका मुक्तिबोध के काव्य संदर्भ में' पर एक नोट लिखिए।
2. 'केदारनाथ अग्रवाल की कविताओं में मानव और प्रकृति के सौंदर्य का बड़ा सहज, वेगवान और उन्मुक्त रूप मिलता है।' इस पंक्ति के आलोक में केदारनाथ की कविताओं का मूल्यांकन कीजिये।
3. 'भवानी प्रसाद मिश्र सहज संवेदना के कवि है।' उनके काव्य के भावपक्ष पर प्रकाश डालिए।
4. त्रिलोचन शास्त्री के साहित्यिक योगदान पर प्रकाश डालिए।
5. रघुवीर सहाय के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालिए।
6. 'कवि धूमिल एक युवा विद्रोही कवि के रूप में हिन्दी साहित्य जगत में प्रविष्ट हुए।' इस पंक्ति के आलोक में उनका समग्र परिचय दीजिए।

खण्ड 'स' 2 X 8 = 16

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न(शब्द सीमा 400-450 शब्द)

भाग–एक

किन्हीं दो पद्यांशों की संदर्भ प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए–

(क) नदी तुम बहती चली।
भूखण्ड से जो दाय हमको मिला है, मिलता रहा है
भांजती, संस्कार देती चलो। यदि ऐसा कमी हो
तुम्हारे आल्हाद से या दूसरो के स्वैराचार से, अतिचार से,
तुम बढ़ो, प्लावन तुम्हारो घरघराता उठे,
यह स्त्रोतस्विनी ही कर्मनाशा कीर्तिनाशा घोर काल प्रवाहिनी बन जाये–
तो हमें स्वीकार है वह भी / उसी में रेत हो कर
फिर छनेंगे हम। जमेंगे हम।कहीं फिर पैर टेकेंगे।
कहीं फिर से खड़ा होगा नये व्यक्तित्व का आकार।
माता, उसे फिर संस्कार तुम देना।

(ख) और मेरे हृदय की धक–धक
पूछती है वह कौन
सुनाई जो देता, पर नहीं देता दिखाई!
इतने अकस्मात गिरते हैं भीत से
फुले हुए पलस्तर,
खिरती है चून–भरी रेत
खिसकती है पपड़ियां इस तरह–
खुद–ब–खुद
कोई बड़ा चेहरा बन जाता है,
स्वयंमपि
मुख बन जाता है दिवाल पर,
नुकीली नाक और भव्य ललाट है,
दृढ़ हनु
कोई अनजानी अन–पहचानी आकृति।